nt>

Title: Need to increase the recruitment quota of Himachal Pradesh in the Armed Forces.

प्रो. चन्द्र कुमार (कांगड़ा) : अध्यक्ष महोदय, हिमाचल प्रदेश से सेना में सबसे ज्यादा लोग भर्ती होकर देश की सेवा कर रहे हैं। चीन, पाकिस्तान अथवा कारगिल युद्ध में सबसे ज्यादा अपने प्राणों की आहुतियां हिमाचल के सैनिकों ने देकर मातृभूमि की रक्षा की। यही कारण है कि छोटा प्रदेश होते हुए भी अनेक परमवीर चक्र, वीर चक्र, शौर्य चक्रों से सैनिकों को सम्मानित किया गया है।

मेरा रक्षा मंत्री महोदय से आग्रह है कि वे सेना में वन रैंक वन पेंशन देने, हिमाचल रेजीमेंट की स्थापना करने, सशस्त्र सेवाओं में भर्ती हेतु प्रदेश का कोटा बढ़ाने, रक्षा सेवाओं में पूर्ण पेंशन हेतु न्यूनतम 33 वर्ा की सेवा शर्त को शिथिल करने, रक्षा कर्मियों को 58 वर्ा तक सेवा करने का अवसर देने, प्रदेश के कठिन क्षेत्रों में जहां कैंटीन नहीं हैं, वहां मोबाइल कैंटीन सेवाएं देने, 60 वर्ा अथवा उससे अधिक उम्र के भू.पू. सैनिकों, उनकी विधवाओं को प्रदेश से देश में कहीं भी रेल से यात्रा हेतु किराए में 50 प्रतिशत की छूट देने की कृपा करें।